HINDUSTAN PAGE 8

शैक्षिक सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया के तहत स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में आवेदन जारी

सौ साल पुराने एलयू की चमक आज भी बरकरार

मिशन एडमिशन

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय का नाम आज पूरे विश्व में गूंज रहा है। यहां पढ़ने के लिए पूरी दुनिया समेत भारत के अलग-अलग राज्यों और उत्तर प्रदेश के लगभग सभी जिलों से अभ्यर्थियों के आवेदन आते हैं। एलयू से स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में डिग्री हासिल करने के लिए होड़ मचती है। एक-एक सीट के सापेक्ष औसतन 10-10 आवेदन प्राप्त होते हैं।

विश्वविद्यालय का इतिहास 160 वर्षों का है। जिसकी शुरुआत वर्ष 1864 से कैनिंग कॉलेज के रूप में की गई। आगे चलकर यह वर्ष 1920 में लखनऊ विश्वविद्यालय के तौर पर स्थापित हुआ। इसकी स्थापना में अवध के तालुकेदारों की अहम भूमिका रही। तालुकेदारों की चाहत थी कि उनके बच्चे जब कॉल्विन कॉलेज से 12वीं पढ़कर निकलें तो उन्हें उच्च शिक्षा के लिए किसी दूसरे स्थान पर न जाना पड़े। क्योंकि उस समय सिर्फ इलाहाबाद विवि ही था। यहीं से अवध क्षेत्र में एक विश्वविद्यालय की स्थापना करने की सोच ने जन्म लिया। इसके बाद राजा महमूदाबाद, मोहम्मद अली और मोहम्मद खान बहादुर ने विवि की बुनियाद रखी। जिसमें यूनाइटेड प्रोविंस के लेफ्टिनेंट गवर्नर हारकोर्ट बटलर ने भी साथ दिया। इसके बाद 10 नवंबर, 1919 को हुई एक बैठक में आवासीय विश्वविद्यालय बनाने का निर्णय लिया।

विधान परिषद में कुंवर महाराजा सिंह ने 12 अगस्त, 1920 को लखनऊ विश्वविद्यालय बिल पेश किया। जिसे 8 अगस्त, 1920 को काफी चर्चा और संशोधनों के साथ पारित कर दिया गया। उस समय विवि के निर्माण के लिए राजा महमूदाबाद और जहांगीराबाद ने एक-एक लाख रुपए दिए थे। वहीं तालुकेदारों ने 30 लाख रुपए का चंदा इकट्ठा किया। जिसके बाद 25 नवंबर, 1920 को लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

विश्वविद्यालय को शैक्षिक सत्र 2025-26 में विदेशी छात्रों के आवेदन में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। इस सत्र में 76 देशों के 2379 विदेशी छात्रों ने एलयू में आवेदन किया है।

01 हजार सीट 41 डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में
510 कुल सीट 19 कोर्स में पीजी डिप्लोमा में
240 सीटें सर्टिफिकेट कोर्स में
125 सीट प्रोफेशिएंसी कोर्सों में
135 सीट डिप्लोमा के छह पाठ्यक्रमों में

विश्वविद्यालय में स्थापित 16 संस्थान और केंद्र

1. अब्दुल कलाम सेंटर फॉर इनोवेशन
2. डॉ. गिरी लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ
3. डॉ. शंकर दयाल शर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी
4. इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट एंड एडवांस्ड कंप्यूटिंग
5. इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज
6. इंस्टीट्यूट ऑफ फूड प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलॉजी
7. इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोकार्बन, एनर्जी एंड जियो-रिसोर्सेस
8. इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज
9. इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म स्टडीज
10. इंस्टीट्यूट फॉर वाइल्डलाइफ साइंसेज
11. इंस्टीट्यूट ऑफ वीमेन स्टडीज
12. ओएनजीसी सेंटर
13. पॉप्युलेशन रिसर्च सेंटर
14. इंस्टीट्यूट फॉर फार्मास्युटिकल साइंसेज
15. इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इनफेक्सियस डिजीज
16. इंस्टीट्यूट ऑफ न्यू रिन्यूबल एनर्जी

यूजी में सीटों की संख्या

बीए	1300+
बीएससी बायो	280+
बीएससी मैथ्स	470+
बीएससी एग्रीकल्चर ऑनर्स	120
बीकॉम ऑनर्स	180
बीकॉम एनईपी चार वर्षीय	450
बीकॉम सेल्फ फाइनेंस 4 वर्षीय	240
एलएलबी पांच वर्षीय	160
बीसीए	120
बीबीए	300
बीबीए डिजिटल बिजनेस	60
बीबीए टूरिज्म	60
डीफार्मा	60

समेत अन्य विषयों की सीटें।

यहां दाखिले का मौका

पाठ्यक्रम	सीट
एलएलबी तीन वर्षीय	320
एलएलएम	60
अस्पताल प्रशासन	40
जनसंख्या अध्ययन	40
पब्लिक हेल्थ	55
पब्लिक हेल्थ (कम्युनिटी मेडिसिन)	40
समाज कार्य रेगुलर	44
समाज कार्य सेल्फ फाइनेंस	60
पब्लिक हेल्थ इन न्यूट्रीशिनल साइंसेज	30
एमबीए या एमएफए	75
एमटीईएम	60

समेत अन्य में आवेदन का मौका।

> पिछले पांच वर्षों में हमने शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र को वैश्विक संस्थानों के समकक्ष रूपांतरित किया है।
>
> -प्रोफेसर आलोक कुमार राय, कुलपति, एलयू

परास्नातक स्तर के 73 पाठ्यक्रमों में 5062 सीटें

एमबीए में 640 सीटें

एलयू में एमबीए के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के लिए कुल 640 सीट होंगी। इसमें व्यावसायिक प्रशासन विभाग में रेगुलर 60, सेल्फ फाइनेंस मोड पर 120 सीट हैं। इसी तरह वाणिज्य विभाग के एमबीए फाइनेंस एंड अकाउंटिंग में 60 सीट हैं। वहीं नवीन परिसर स्थित आईएमएस में एमबीए एचआर, इंटरनेशनल बिजनेस, मार्केटिंग व फाइनेंस एंड कंट्रोल की 420 सीट हैं।

एमकॉम की 360 सीटों पर आवेदन

एलयू के वाणिज्य विभाग में एमकॉम की कुल 360 सीटें हैं। इसमें एप्लाइड इकनॉमिक्स व कॉमर्स की रेगुलर 100-100 और सेल्फ फाइनेंस में 80-80 सीटें हैं।

आचार्य 20 और लाइब्रेरी साइंस में 65 सीटें

एलयू में आचार्य की 20 सीट पर प्रवेश के लिए आवेदन मांगे गए हैं। जबकि लाइब्रेरी साइंस में बैचलर व मास्टर की कुल 65 सीट पर आवेदन की शुरूआत हुई है। इसमें बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस की रेगुलर और सेल्फ फाइनेंस की 20-20 सीट हैं। मास्टर इन लाइब्रेरी साइंस की 25 सीट पर आवेदन लिए जा रहे हैं।

एमएससी के 20 विषयों में कुल 867 सीटें

एमएससी मानवशास्त्र की 10, एप्लाइड जियोलॉजी 25, बायोकेमेस्ट्री में रेगुलर 25 व सेल्फ फाइनेंस 10, बायोसेंटिस्टिक्स 20, बायोटेक्नोलॉजी 30, वनस्पति विज्ञान रेगुलर 50 व सेल्फ फाइनेंस 50, रसायन विज्ञान रेगुलर 80 वसेल्फ फाइनेंस 30, कंप्यूटर साइंस 20, एनवायरमेंटल साइंस 40, फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी 40 सीट हैं। इसी तरह एमएससी फॉरेंसिक साइंस 20, भूगर्भ विज्ञान 30, गणित 120, माइक्रोबायोलॉजी 35, मॉलिक्यूलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स 25, भौतिकशास्त्र 72, रिन्यूबल एनर्जी 30, सांख्यिकी रेगुलर 15 व सेल्फ फाइनेंस 15 समेत अन्य सीटें हैं।

एमए के 35 विषयों में 2126 सीटें जिन पर कर सकते हैं आवेदन

एमए प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व की 180, मानवशास्त्र 30, अरब कल्चर 30, अरेबिक 30, बायोसेंटिस्टिक्स 10, बिजनेस इकनॉमिक्स 60, कंपोजिट हिस्ट्री 40, क्रिमिनोलॉजी एंड क्रिमिनल जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन 40, रक्षा अध्ययन 25, अर्थशास्त्र रेगुलर 120 व सेल्फ फाइनेंस 60, शिक्षाशास्त्र 30, अंग्रेजी 200, फॉरेंसिक साइंस 20, फ्रेंच 10, भूगोल 60, हिंदी 160, गृह विज्ञान 40, पत्रकारिता एवं जनसंचार 50 और ज्योतिर्विज्ञान में 20 सीट हैं। इसी तरह एमए लिंग्विस्टिक 30, गणित 15, एमआईएच 90, पर्शियन 20, दर्शनशास्त्र 40, राजनीति विज्ञान 120, मनोविज्ञान रेगुलर 40 और सेल्फ फाइनेंस 30, लोक प्रशासन 85, पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस 30, संस्कृत 60, समाजशास्त्र 120, सांख्यिकी रेगुलर और सेल्फ फाइनेंस की पांच-पांच, उर्दू 130, वेस्टर्न हिस्ट्री 36, महिला अध्ययन 30 और योगा की 25 सीट पर आवेदन लिए जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय के 11 संकायों में 60 विभाग

1. **कला संकाय:** 27 विभाग - प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व, मानवशास्त्र, अरेबिक, रक्षा अध्ययन, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी एवं आधुनिक विदेशी भाषा, भूगोल, हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा, गृह विज्ञान, पत्रकारिता एवं जनसंचार, ज्योतिर्विज्ञान, लाइब्रेरी साइंस, लिंग्विस्टिक, मध्य एवं आधुनिक भारतीय इतिहास समेत अन्य।
2. **प्रबंधन संकाय:** एक विभाग- प्रबंधन विभाग।
3. **वाणिज्य संकाय:** दो विभाग- व्यवहारिक अर्थशास्त्र, वाणिज्य।
4. **शिक्षाशास्त्र संकाय:** एक विभाग- शिक्षाशास्त्र विभाग।
5. **ललित कला संकाय:** तीन विभाग- कमर्शियल आर्ट्स, मूर्तिकला, फाइन आर्ट्स।
6. **विधि संकाय:** एक विभाग- विधि विभाग।
7. **विज्ञान संकाय:** नौ विभाग- जैव रसायन, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, कंप्यूटर साइंस, भूगर्भ, गणित एवं खगोल विज्ञान, भौतिकशास्त्र, सांख्यिकी, प्राणिशास्त्र।
8. **अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय:** छह विभाग- कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन, एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज।
9. **योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन संकाय:** दो विभाग- योग, नैचुरोपैथी।
10. अभिनव गुप्त संकाय
11. **कृषि संकाय:** आठ विभाग- एग्रोनॉमी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, हॉर्टिकल्चर एंड वेजीटेबल साइंस समेत अन्य।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि: सात छात्रों को मिली नौकरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में इंजीनियरिंग संकाय के सात विद्यार्थियों को नौकरी मिली है। ये सभी विश्वविद्यालय में अंतिम वर्ष के छात्र हैं। प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि इन छात्रों ने एचसीएल टेक की बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया रिज्यूमे शॉर्टलिस्टिंग, एप्टिट्यूड टेस्ट, तकनीकी साक्षात्कार, बिजनेस एचआर राउंड और कैंपस एचआर इंटरव्यू में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चयनितों में बीटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के कार्तिकेय वर्मा, शेख बिलाल अहमद, देवांशु शाक्य, निदा परवीन और अंकुश यादव के साथ बीटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के आदर्श केशरवानी और आशीष पाल हैं। ये सभी ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी पद पर काम करेंगे। इन्हें प्रतिवर्ष 3.25 लाख का पैकेज मिलेगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. एके सिंह ने छात्रों को शुभकामनाएं दी हैं। (संवाद)

लविवि: एमबीए का परीक्षा परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर परीक्षा के अंतर्गत बृहस्पतिवार को एमबीए फिनांस एंड अकाउंटिंग विषय के दूसरे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विस्तृत परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। किसी तरह की समस्या आने पर छात्र परीक्षा विभाग में संपर्क कर सकेंगे। (संवाद)

प्रो. भुवनेश्वरी बनीं अभिनव गुप्त शैव संकाय की अध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अभिनव गुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ एस्थेटिक्स एंड शैव फिलॉसिफी संकाय की शिक्षक प्रो. भुवनेश्वरी भारद्वाज को संकाय अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुमोदन के बाद कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इसका आदेश जारी कर दिया। प्रो. भुवनेश्वरी कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष अथवा अग्रिम आदेशों तक इस पद पर बनी रहेंगी। वह विभाग में प्रोफेसर पद पर सीधे नियुक्ति पाने वाली एक मात्र शिक्षिका हैं। (संवाद)

प्रो. भुवनेश्वरी प्रदेश में सबसे कम उम्र में डीन बनीं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनव गुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ एस्थेटिक्स एंड शैव फिलॉस्फी संकाय में प्रोफेसर भुवनेश्वरी भारद्वाज को अधिष्ठाता नियुक्त कर दिया गया है। इससे वह प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में सबसे कम उम्र में डीन बनने वाली प्रोफेसर बन गई हैं। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि पूरे भारत में अभिनव गुप्त संकाय सिर्फ लखनऊ विश्वविद्यालय में स्थापित है।

एलयू: विदाई समारोह में अदीबा, अयान चमके

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित फार्मेसी संस्थान में बीफार्मा प्रथम बैच का विदाई समारोह हुआ। अतिथि अधिष्ठाता इंजीनियरिंग संकाय प्रो. अशोक कुमार सिंह और अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो. बीडी सिंह रहे। निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बीफार्मा तृतीय वर्ष के छात्रों ने मिस फेवरेट अदीबा अनीस और मिस्टर फेवरेट सैय्यद अयान को चुना।

विश्व पर्यावरण दिवस : विश्वविद्यालयों और स्कूल-कॉलेजों में हुए आयोजन

पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी सबकी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस पर शहर के विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और संस्थानों में पौधरोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके साथ ही आम नागरिकों की लापरवाही से होने वाली समस्याओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

लखनऊ विश्वविद्यालय में ग्राउंड्स एवं गार्डन विभाग की ओर से वाणिज्य विभाग, अधिष्ठाता छात्र कल्याण लॉन व सरस्वती वाटिका में पौधरोपण और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और गार्डन विभाग अधीक्षक प्रो. एसएन पांडेय ने पौधों का रोपण किया।

विधि संकाय में संकायाध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह ने पौध रोपण किया। समाजवादी छात्र सभा ने इकाई अध्यक्ष प्रिंस कुमार की अगुवाई और लूटा महामंत्री प्रो. राम मिलन की उपस्थिति में पौध रोपण किया।

वनस्पति विज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो. गौरी सक्सेना के नेतृत्व में शोधार्थियों ने विभागीय उद्यान साहनी वाटिका में पौधा लगाया। महमूदाबाद पुरुष छात्रावास में सहायक अधिरक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह ने छात्रों संग पौधे रोपित किए।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में 19 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग ने प्लास्टिक को खत्म करना थीम जागरूकता कार्यक्रम किया। नेशनल पीजी कॉलेज, अटल बिहारी वाजपेई नगर निगम डिग्री कॉलेज और डीएवी डिग्री कॉलेज में में पौधरोपण किया गया।

इसके अलावा परिषदीय विद्यालयों में पोस्टर प्रतियोगिता हुई। सेवा संकल्प की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। नरौना परिषदीय विद्यालय से पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई। माध्यमिक विद्यालय हुसैनाबाद में प्रधानाध्यापक मंशाराम ने पीपल व बरगद के पौधे रोपे। जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज बहरौली में प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा ने परिसर में फलदार पौधे लगाए।

एलयू में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया पौधरोपण। -अमर उजाला

यहां भी हुए कार्यक्रम

- राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के अंतर्गत रहीमाबाद टोल प्लाजा पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- निगोहां के दखिना गांव स्थित लखनऊ-प्रयागराज टोलवेज लिमिटेड की टीम ने टोल से गुजर रहे राहगीरों व चालकों को पौधे वितरित किए।
- आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से स्थापित क्षेत्रीय नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केंद्र, लखनऊ की ओर से प्लास्टिक कचरे से निपटान विषय पर संगोष्ठी हुई।
- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान में हुए कार्यक्रम में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एनवायर्नमेंटल बॉटनिस्ट्स ने 30वां स्थापना दिवस भी मनाया।
- आंचलिक विज्ञान नगरी में पर्यावरण निदेशालय उप्र. के सहयोग से वृहस्पतिवार को कार्यक्रम किया गया। जलवायु परिवर्तन पर फिल्म दिखाई गई और प्रतियोगिताएं भी हुईं।

PIONEER PAGE 3

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

धरा को हरित बनाने के लिए गुरुवार को संकल्प के बीच शिक्षण संस्थानों में उत्साह के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस मौके पर शिक्षण संस्थानों में पौध रोपण कार्यक्रम का आयोजन बृहद पैमाने पर किया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के ग्राउंड्स एवं गार्डन विभाग द्वारा वाणिज्य विभाग परिसर में तथा डीन, छात्र कल्याण द्वारा डीएसडब्ल्यू लॉन एवं सरस्वती वाटिका में वृक्षारोपण एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। वाणिज्य विभाग में आयोजित कार्यक्रम का समन्वय प्रो. एस. एन. पांडेय, अधीक्षक, ग्राउंड्स एवं गार्डन विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें प्रमुख रूप से वृक्षारोपण अभियान, पौधों का वितरण, और स्वच्छता अभियान शामिल थे। कार्यक्रम में शोध छात्र, शिक्षकगण एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्रों ने भी पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और पोस्टर प्रस्तुति, परिसर की सफाई, तथा वृक्षारोपण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। पोस्टर की विषयवस्तु में पुनर्चक्रण, प्रदूषण नियंत्रण, और पर्यावरण जागरूकता जैसे महत्त्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे। साथ ही, आम और अमरूद जैसे फलदार वृक्षों का भी रोपण किया गया, जिससे विश्वविद्यालय परिसर को और अधिक हरित और स्वच्छ बनाया जा सके। वनस्पति विज्ञान विभाग ने भी इस कार्यक्रम में भाग लेते हुए पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण किया। विभागाध्यक्ष प्रो. गौरी सक्सेना के नेतृत्व में विभाग के शोधार्थी एवं शिक्षक एकत्रित हुए और विभागीय उद्यान साहनी वाटिका में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

शोधार्थियों और शिक्षकों ने हरित पहल के साथ मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

राजधानी में शिक्षण संस्थानों सहित सभी विभागों में पौधरोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग ने कुलपति प्रो. आलोक राय एवं विभागाध्यक्ष प्रो. गौरी सक्सेना के नेतृत्व में विश्व पर्यावरण दिवस को एक अनोखे ढंग से मनाया। इस अवसर पर विभाग के शोधार्थी एवं शिक्षक एकत्रित हुए और विभागीय उद्यान साहनी वाटिका में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रत्येक शोधार्थी अपने साथ एक 8 इंच का गमला, जिस पर उनका नाम अंकित था और अपनी पसंद का पौधा लेकर आया। सभी प्रतिभागियों ने निर्धारित स्थानों पर पौधे लगाए और उनकी देखभाल की ज़िम्मेदारी स्वयं ली। यह पहल न केवल विभाग की हरित आच्छादन में योगदान देने वाली सिद्ध हुई, बल्कि यह इस बात की भी स्मृति दिलाती है कि पर्यावरण की रक्षा में प्रत्येक व्यक्ति की अहम भूमिका होती है। विभाग ने सभी प्रतिभागियों के प्रवासों और प्रतिबद्धता की सराहना की तथा आशा व्यक्त की कि इस प्रकार की पहलें भविष्य में भी सतत विकास के प्रति प्रेरणा देती रहेंगी।

लविवि में पौधरोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्राउंड्स एवं गार्डन विभाग द्वारा वाणिज्य विभाग परिसर में तथा डीन, छात्र कल्याण द्वारा डीएसडब्ल्यू लॉन एवं सरस्वती वाटिका में पौधरोपण एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। वाणिज्य विभाग में आयोजित कार्यक्रम का समन्वय प्रो. एसएन पांडेय, अधीक्षक, ग्राउंड्स एवं गार्डन विभाग द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कई गतिविधियां आयोजित की गयीं, जिनमें प्रमुख रूप से पौधरोपण अभियान, पौधों का वितरण और स्वच्छता अभियान शामिल थे। कार्यक्रम में शोध छात्र, शिक्षकगण एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्रों ने भी पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और पोस्टर प्रस्तुति, परिसर की सफाई, तथा वृक्षारोपण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। पोस्टर की विषयवस्तु में पुनर्चक्रण, प्रदूषण नियंत्रण, और पर्यावरण जागरूकता जैसे महत्त्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए, जिनमें क्रोटन, मुर्रया (करी पत्ता), लैजेस्ट्रोमिया, इक्सोरा, प्लूमेरिया, तुलसी, एलोवेरा, टेबरनेमोंटाना, चमेली, रात की रानी, रंगून क्रीपर और सावनी शामिल हैं। साथ ही, आम और अमरूद जैसे फलदार वृक्षों का भी रोपण किया गया, जिससे विश्वविद्यालय परिसर को और अधिक हरित और स्वच्छ बनाया जा सके। वनस्पति विज्ञान विभाग ने भी इस कार्यक्रम में भाग लेते हुए पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पौधरोपण किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के सात छात्र चयनित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के अंतिम वर्ष (बैच 2025) के सात मेधावी छात्रों का चयन देश की प्रमुख आईटी कंपनी एचसीएल टेक में हुआ।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. एके सिंह और केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने छात्रों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम और प्रतिबद्धता का सजीव प्रमाण है। उन्होंने कहा, आप सभी ने यह साबित किया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उस तक पहुंचने की इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं होती। मैं सभी चयनित छात्रों की इस उपलब्धि के लिए सराहना करता हूं और आशा करता हूं कि यह सफलता विश्वविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी एक सशक्त प्रेरणा का कार्य करेगी। प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि एचसीएल टेक की बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया (रिज्यूमे शॉर्टलिस्टिंग, अप्टिट्यूड टेस्ट, तकनीकी साक्षात्कार, बिजनेस एचआर राउंड और कैंपस एचआर इंटरव्यू) में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चयन सुनिश्चित किया। चयनित छात्र-छात्राओं में बी.टेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के कार्तिकेय वर्मा, शेख बिलाल अहमद, देवांशु शाक्य, निदा परवीन और अंकुश यादव के साथ बी.टेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के आदर्श केशरवानी एवं आशीष पाल शामिल हैं। छात्रों की नियुक्ति ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी पद पर 3.25 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुई। डॉ. हिमांशु पांडेय ने यह भी जानकारी दी कि अब तक लखनऊ विश्वविद्यालय के कुल 61 छात्र-छात्राओं का चयन एचसीएल टेक में हो चुका है।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि के ग्राउंड्स एवं गार्डन विभाग ने वाणिज्य विभाग परिसर, अधिष्ठाता छात्र कल्याण लान एवं सरस्वती वाटिका में पौधारोपण एवं स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम हुआ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व अन्य शिक्षकों ने पौधे लगाए • सौजन्य से लवि